Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

Estd. 1861

BOYS' HIGH SCHOOL AND COLLEGE
SECOND TERM EXAMINATION (2024-25)
CLASS – IX
HINDI

TIME- 3 hrs M.M.-80

The paper comprises two Sections- Section A and Section B

Attempt any four questions from Section A. Attempt any four questions from Section B answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.

Section A (40 Marks)
(Attempt all Questions)

प्र0–1 निम्नलिखित विषयों मे से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए– [15]

(1.) आज कल की भागदौड़ भरी जिंदगी मे रिश्ते–नातो की अहमियत समाप्त होती जा रही है, इसके क्या कारण है? आप रिश्तो को संजोने के लिए क्या करेगे?

(2.) आज पूरा संसार फैशन का दीवाना है। हमारा अधिकांश व्यवहार फैशन पर ही आधारित है। आपकी दृष्टि मे फैशन क्या है और यह आज के मनुष्य को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है?

(3.) यात्रा एक उत्तम औषधि है। यात्रा करने से ज्ञान तो बढ़ता ही है, साथ ही स्थान विशेष की संस्कृति तथा परंपराओ का परिचय भी मिलता है। अपनी किसी यात्रा के अनुभव तथा रोमांच का वर्णन कीजिए।

(4.) कोशिश करने वालो की कभी हार नही होती "पंक्ति के आधार पर अपने जीवन की कोई घटना लिखिए।

(5.) नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर कोई लेख, घटना अथवा कहानी लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से हो।

प्र0–2 **निम्नलिखित मे से किसी एक विषय पर हिन्दी मे लगभग 120 शब्दो में पत्र लिखिए–** [7]

(1.) अर्द्धवार्षिक परीक्षा मे प्रथम स्थान पर उत्तीर्ण होने वाले मित्र को बधाई पत्र लिखिए।

(2.) प्रयागराज मे अमर उजाला समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखकर आग्रह कीजिए की वे अपने समाचार पत्र मे नशीली वस्तुओ के सेवन से होने वाले नुकसान के प्रति लोगो को जागरूक करे।

प्र0–3 **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उनके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर आपके अपने शब्दो मे होने चाहिए।** [10]

एक दिन महात्मा बुद्ध किसी गाँव में जा रहे थे। रास्ते में एक घना जंगल पड़ता था। वहां अंगुलिमाल नाम का एक भयानक डाकू रहता था. जो आने–जाने वालों को लूटता और उनकी हत्या कर देता था, इसलिए लोग उधर जाने से बहुत डरते थे।

बुद्ध जैसे ही जंगल के बीचों–बीच पहुंचे। तभी किसी ने कड़कती आवाज में कहा, "ठहरो"। बुद्ध वहीं रुक गए। एक डरावनी सी शक्ल का आदमी उनके सामने आकर खड़ा हो गया।

जिसकी बड़ी–बड़ी मूंछे, घने बाल और लाल लाल आँखें थी। उसे देखकर डर लगता था। उसके एक हाथ में तलवार भी थी। वह बोला, "जो कुछ तुम्हारे पास है, वह मुझे दे दो, नहीं तो मैं तुम्हें जीवित नहीं छोड़ूँगा।" बुद्धः उससे भयभीत नहीं हुए, बल्कि उसे देखकर मुस्कुराते रहे। यह देखकर अंगुलिमाल दंग रह गया। उसने देखा महात्मा बुद्ध शान्त भाव से उसे देख रहे थे। उसने तो सोचा था, यह आदमी मुझे देखकर डर के मारे थर–थर काँपने लगेगा, पर ऐसा कुछ नहीं हुआ।

महात्मा बुद्ध बोले, "भाई! मेरे पास तुम्हें देने के लिए कुछ भी नहीं है यदि मुझे मारकर तुम्हें खुशी मिलती है, तो फिर देर किस बात की चलाओं तलवार। पर मुझे मारने से पहले तुम मेरी छोटी सी इच्छा को पूरी कर दो।"

बुद्ध की बातों ने जादू का–सा काम किया।

"जरूर करूंगा बताओ क्या करना है?"

बुद्ध ने सामने एक पेड़ की ओर संकेत करते हुए कहा, "यदि इस पेड़ की एक टहनी तोड़कर तुम मुझे ला दो, तो बहुत अच्छा होगा।" यह सुनकर डाकू हँसने लगा। वह बोला, "अरे! यह कोई कठिन काम थोड़ी है। मैं अभी ला देता हैं। यदि तुम कहो, तो पूरा पेड़ ही ला दूँ।"

"नहीं भाई, मुझे तो केवल एक टहनी चाहिए।"

देखते–देखते डाकू पेड़ के पास पहुंचा उसने झट से एक टहनी तोड़ी और महात्मा बुद्ध के पास ले आया। बोला, "लो तुम्हारी टहनी, पर इस टहनी का तुम करोगे क्या?"

बुद्ध ने टहनी ली और उसे अच्छी तरह से देखने लगे।

फिर वे मुस्कुराते हुए बोले, "अब इसे कृपया वापस उसी पेड़ पर लगा आओ।"

डाकू सोच में पड़ गया। वह गुस्से से बोला ऐसा भी कभी होता है। पेड़ से एक बार तोड़ी गई टहनी दोबारा नहीं लगाई जा सकती। "जब तुम एक टूटी टहनी को फिर से जोड़ नहीं सकते, तो बेकसूर लोगों की हत्या क्यों करते हो? किसी के प्राण लेना टहनी तोड़ने जैसा ही है। भाई तोड़ना जितना आसान है, जोड़ना उतना ही कठिन।" यह सुनकर डाकू की आँखों से आँसू बहने लगे। उसे अपने बुरे कर्मों पर पश्चाताप होने लगा। वह बुद्ध के चरणों में गिर पड़ा और बोला, "भगवन्! मुझे क्षमा कर दो। मैं आज से कभी कोई बुरा काम नहीं करूँगा।

महात्मा बुद्ध ने उसे प्यार से उठाया और गले से लगा लिया और कहा, "वत्स! मुझे प्रसन्नता है कि तुम्हे अपनी भूल का अहसास हो गया। डाकू उसी दिन से उनका शिष्य बन गया और उसने सभी बुरे काम छोड़ दिए।

(क) प्रस्तुत गद्यांश के अनुसार लोग जंगल के रास्ते मे जाने मे क्यो डरते थे?

(ख) अंगुलिमान डाकू द्वारा महात्मा बुद्ध को जंगल के बीचो–बीच रोकने पर बुद्ध की क्या प्रतिक्रिया थी?

(ग) महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमान डाकू का हृदय परिवर्तन करने हेतु किस उपकरण की सहायता ली?

(घ) अंगुलिमान डाकू के व्यक्तिगत को स्पष्ट कीजिए।

(ड़) डाकू अंगुलिमान बुद्ध की शरण में किस प्रकार गया?

प्र0–4 निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए– [5]

(1) अकाल का विलोम बताइए।
(a) गुलाम (b) विकाल (c) सुकाल (d) परतन्त्र

(2) मीठा की भाववाचक संज्ञा बताइए–
(a) मिठाई (b) मीठी (c) मिठास (d) मधुर

(3) 'सताब्दि' का शुद्ध रूप बताइए।
(a) शताब्दि (b) श्ताब्दि (c) शाताब्दी (d) शताब्दी

(4) 'गूलर का फूल होना' मुहावरे का अर्थ बताइए।
(a) लाल–पीला होना (b) दुर्लभ होना (c) सुन्दर होना (d) विवर्ण होना

(5) कोयल का पर्यायवाची बताइए।
(a) पिक–कोकिल (b) काक–वायस (c) सारंग–हरि (d) उरंग–लाल

(6) 'घुटने टेकना' मुहावरे का अर्थ बताइए।
(a) घुटने मे दर्द होना (b) दुःखी होना (c) हार मान लेना (d) विजय प्राप्त करना

(7) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए।
अच्छे विचारो का मानव मन पर प्रभाव पड़ता है। (वाक्य में 'प्रभावित' शब्द का प्रयोग कीजिए।)
(a) अच्छे विचारो ने मानव मन को प्रभावित किया।
(b) अच्छे विचारो से मानव मन प्रभावित होता है।
(c) अच्छे विचारो द्वारा मानव भन को प्रभावित किया गया।
(d) अच्छे विचारो से मानव मन को प्रभावित किया गया।

(8) निर्देशानुसार उचित वाक्य बताइए।
वर्तमान समय मे इंटरनेट मानव जीवन की आवश्यकता बन गया है। (वाक्य में 'हो गया है' का प्रयोग कीजिए।)
(a) वर्तमान समय मे इंटरनेट मानव जीवन के लिए आवश्यक हो गया है।
(b) वर्तमान समय मे इंटरनेट मानव जीवन की आवश्यकता हो गया है।
(c) वर्तमान में इंटरनेट मानव जीवन के लिए उपयोगी हो गया है।
(d) वर्तमान समय मे इंटरनेट भानव के लिए आवश्यक हो गया है।

Section B (40 Marks)

(Answer four question from this section)

You must answer at least one question from each of the two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर– संक्षिप्त कहानियाँ

प्र0–5 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

मतलब यह है कि बात लाख रूपये की सुझाई गई है परन्तु कठिनता यह थी कि मोटी रस्सी कैसे मंगाई जाए? (काकी– सियाराम शरण गुप्ता)

(i) प्रस्तुत गद्यांश के आधार पर भोला ने श्यामू को क्या सुझाव दिया? [2]

(ii) मोटी रस्सी मँगाने के लिए सबसे बड़ी कठिनाई क्या थी? [2]

(iii) क्या उस कठिनाई का हल निकाला गया? यदि हॉ तो किसने और कैसे उसका हल निकाला? [3]

(iv) गद्यांश के आधार पर भोला का चरित्र चित्रण कीजिए? [3]

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

प्र0–6 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिन्दी मे लिखिए।

श्यामू बोला, "काकी सो रही है, उन्हे इस तरह उठाकर कहॉ लिए जा रहे हो? मै न जाने दूंगा।"

(काकी--सियाराम शरण गुप्ता)

(i) किसने बोला था कि, "काकी सो रही है उन्हे इस तरह उठाकर कहॉ लिए जा रहे हो? मै न जाने दूंगा।" [2]

(ii) श्यामू द्वारा बड़ा उपद्रव मचाए जाने का क्या कारण था और लोग किसे उठाकर कहॉ लिए जा रहे थे? [2]

(iii) बुद्धिमान गुरूजनो ने किसे और क्या विश्वास दिलाया? [3]

(iv) श्यामू को वास्तविकता का पता कैसे चला? [3]

प्र0–7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

पर, सब दिन होत न एक समान'।

अकस्मात दिन फिरे और सेठ को गरीबी का मुँह देखना पड़ा।"

–महायज्ञ का पुरस्कार (यशपाल)

(i) सेठ का परिचय दीजिए। [2]

(ii) यज्ञो के क्रय विक्रय से क्या तात्पर्य है? [2]

(iii) सेठानी ने सेठ को क्या सलाह दी? [3]

(iv) मरणासन्न कुत्ते को देखकर सेठ ने क्या किया और क्यो? [3]

साहित्य सागर– पद्य भाग

प्र0–8 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

धर्मराज यह भूमि किसी की
नही क्रीत है दासी
है जन्मना समान परस्पर
इसके सभी निवासी।

–स्वर्ग बना सकते है (रामधारी सिंह दिनकर)

(i) यह कविता किसने किसको कब सुनाई है? [2]

(ii) कवि ने 'मुक्त प्रकाश' और मुक्त समीरण की इच्छा किसके लिए प्रकट की है? [2]

(iii) कवि ने मातृ भूमि के बारे मे क्या कहा है? [3]

(iv) इस धरती पर शान्ति लाने के लिए क्या आवश्यक है? [3]

प्र0–9 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर दीजिए–

लेकिन विघ्न अनेक अभी
इस पथ पर अड़े हुए है
मानवता की राह रोककर
पर्वत अडे हुए है।
न्यायोचित सुख सुलभ नही
जब तक मानव–मानव को
चैन कहॉ धरती पर तब तक
शान्ति कहॉ इस भव को?

–स्वर्ग बना सकते है (रामधारी सिंह)

(i) संसार मे व्यक्ति कैसी बाधाओ का सामना कर रह है और क्यो? स्पष्ट करे। [2]

(ii) कवि ने व्यक्ति की किस पीड़ा को व्यक्त किया है? [2]

(iii) मनुष्य के विकास के लिए कवि ने किसे आवश्यकमाना है, तथा संसार मे शान्ति किस प्रकार से स्थापित होगी? [3]

(iv) विकास के मार्ग मे आने वाली किन समस्याओ का वर्णन कवि ने किया है? [3]

प्र0–10 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नो के उत्तर हिन्दी मे लिखिए–

वह जन्म भूमि मेरी, वह मातृभूमि मेरी।
जन्मे जहॉ थे रघुपति जन्मी जहॉ थी सीता
श्री कृष्ण ने सुनाई, वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर, जिसका सुयश बढ़ाया।
जग को दया दिखाई, जग को दिया दिखाया।

(वह जन्मभूमि मेरी– सोहनलाल द्विवेदी)

(i) कवि ने प्रस्तुत पंक्तियो मे अपनी मातृभूमि को पवित्र क्यो कहा है? कारण बताइए। [2]

(ii) महात्मा बुद्ध के द्वारा भारत भूमि पर किए गए कार्यो का वर्णन कीजिए। [2]

(iii) कवि ने भारत की महिमा का किस प्रकार उल्लेख किया है? [3]

(iv) कविता मे श्रीराम और श्रीकृष्ण का स्मरण किस प्रकार हुआ है? बताइए। [3]

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE